विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल): (क) जी, हां।

(ख) निगम के अन्तर्गत कार्य कर रही यूनिटों की संख्या और उनकी अधिष्ठापित क्षमता निम्नलिखित है—

(1) बैरासूल जल विद्युत परियोजना, हिमाचल प्रदेश (3×66 मे०वा०)

(2) लोकतक जल विद्युत परियोजना, मणिपुर (3×35 मे०वा०)

(3) सलाल जल विद्युत परियोजना चरण-1 और 2, जम्मू एवं कश्मीर (6×115 मे०वा०)

(4) टनकपुर जल विद्युत परियोजना, उत्तर प्रदेश (3×40 मे०वा०)

(5) चमेरा जल विद्युत परियोजना चरण-1, हिमाचल प्रदेश (3×180 मे०वा०)

(ग) वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान इन यूनिटों के क्षमता समुपयोजन और वास्तविक विद्युत उत्पादन का ब्यौरा निम्नलिखित है:—

परियोजना	क्षमता समुपयोजन (%)			वास्तविक विद्युत उत्पादन (मि०यू०)		
	92-93	93-94	94-95	92-93	93-94	94-95
बैरासूल	110.67	81.20	111.05	830.01	609.01	832.93
लोकतक	121.78	137.78	115.25	545.56	617.27	516.34
सलाल-1 एवं 2	102.99	96.16	63.58	2098.91	1959.77	1971.83
टनकपुर	35.77	87.14	101.50	164.56	400.87	466.91
चमेरा-1	—	—	138.70	—	—	2307.97

(घ) और (ङ) देश में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जल विद्युत शक्यता 60% भार अनुपात पर 84044 मे०वा० आँकी गई है, जोकि 148701 मे०वा० की सम्भाव्य अधिष्ठापित क्षमता के अनुरूप है। दिनांक 31.3.95 की स्थिति के अनुसार अधिष्ठापित जल विद्युत क्षमता 20829.04 मे०वा० थी और वर्ष 1995-96 और 1996-97 के दौरान सम्भावित क्षमता अभिवृद्धि क्रमशः 421.55 मे०वा० और 982.4 मे०वा० है। उपलब्ध जल विद्युत शक्ति के बेहतर दोहन के लिए आरम्भ किए गए उपायों में ये शामिल हैं; बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं के अधिष्ठापन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की विशिष्ट कम्पनियों का निर्माण करना; जल विद्युत स्कीमों के लिए बजटीय सहायता समेत योजनागत संसाधनों का अधिक आवंटन करना, जल विद्युत विकास में निजी क्षेत्र भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रोत्साहनों का प्रस्ताव रखना है।

गुजरात में जनता कपड़े का उत्पादन

2209. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान, प्रतिवर्ष गुजरात में जनता कपड़े के उत्पादन हेतु क्या-क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया था और उस लक्ष्य को कहां तक प्राप्त किया गया है;

(ख) क्या उपर्युक्त अवधि के दौरान राज्य में जनता कपड़े के उत्पादन में कमी आई है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार ने जनता कपड़े का उत्पादन बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये हैं; और

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान राज्य में वर्षवार जनता कपड़े की वास्तविक मांग कितनी-कितनी थी और उसे कहां तक पूरा किया जा रहा है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमलनाथ):

(क) जनता कपड़ा योजना के अंतर्गत राज्य को

दिए गए उत्पादनों लक्ष्य और उपलब्धि का गत तीन वर्षों का विवरण इस प्रकार है:—

(लाख वर्ग मीटर में)

वर्ष	लक्ष्य	उपलब्धि
1992-93	130.00	27.20
1993-94	75.00	37.22
1994-95	65.00	12.75

इसके अतिरिक्त राज्य सरकार/एस०एल०आई०सी० ने जनता इक्विटी (पैकेज 2) के अंतर्गत सहायता लेने के लिए वर्ष 1993-94 के दौरान 20 लाख वर्ग मीटर और वर्ष 94-95 के दौरान 25 लाख वर्ग मीटर का लक्ष्य छोड़ दिया है इससे गैर जनता कपड़े के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कार्यान्वय अभिकरणों को भारत सरकार की इक्विटी प्राप्त होगी।

(ख) जी हां।

(ग) गुजरात में जनता कपड़े के उत्पादन में कमी का मुख्य कारण सरकार की जनता कपड़े को समाप्त करने की नीति, रंगे हुए सूत के उत्पादन से कम से कम 50 प्रतिशत उत्पादन करने का अनुबंध और मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि करना है;

(घ) चूंकि सरकार ने जनता कपड़ा योजना को समाप्त करने का निर्णय लिया है इसलिए इसके उत्पादन में वृद्धि करने का प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) सरकार ने गुजरात में जनता कपड़े की वास्तविक मांग का अनुमान लगाने के लिए कोई विशेष सर्वे नहीं किया है तथापि राज्य सरकार को दिए गए लक्ष्य की भी पूर्ति नहीं की गई है।

मुम्बई और अहमदाबाद में उत्पाद शुल्क और आयकर की अधिकतम राशि की अदायगी

2210. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान मुम्बई और अहमदाबाद मंडलों में उत्पाद-शुल्क और आयकर की अधिकतम राशि का भुगतान करने वाले दस व्यक्तियों के नाम क्या हैं;

(ख) उक्त अवधि के दौरान उन्होंने वास्तव में कुल कितनी धनराशि का भुगतान किया है और उन पर कुल कितनी धनराशि बकाया थी; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान इस क्षेत्र में उत्पाद-शुल्क और आयकर के रूप में कुल कितनी धनराशि की वसूली की गई है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन पटल पर रख दी जाएगी।

पत्रकारों को एअर इंडिया के नि:शुल्क टिकट जारी किया जाना

2211. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी:**
श्री गुरुदास दासगुप्त:
श्री एन० गिरि प्रसाद:

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या एअर इंडिया ने पत्रकारों को प्रतिवर्ष 250 नि:शुल्क टिकट जारी करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे पत्रकारों के चयन का मानदण्ड क्या होगा और प्रत्येक पत्रकार के लिये कितनी टिकटों की व्यवस्था की जाएगी; और

(ग) इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि नियत की गई है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) से (ग) जन सम्पर्क के लिए एयरलाइनों द्वारा पासों का जारी किया जाना सामान्य उद्योग प्रक्रिया है। एअर इंडिया अपने वाणिज्यिक और व्यवसायिक हित को ध्यान में रखकर पिछले 30 वर्षों अथवा इससे भी अधिक समय से इस प्रकार के पास जारी कर रही है और कोई नयी प्रणाली हाल ही में आरंभ नहीं की गई है।

एअर इंडिया द्वारा अनुभूत/लाभ व प्रत्येक मामले की अग्रता के आधार पर पास जारी किए जाते हैं